जो सुख तेरे इश्क में देखा,
वोह कहीं इस खलक में नहीं है
जो आनंद तेरी राजी में देखा,
अपनी मर्जी में कुछ भी नहीं है
1- तेरी उमत के दिल से गुजरना,
उनकी खुशीयों में सब सुख समझना
तेरे इश्क के प्याले संभालू,
इससे बढ़ करके किस्मत नही हैं

2- तेरी मस्ती के दरिया में डूबूं,
न किनारे का कुछ भी मैं सोचूं
तेरी तड़प में रहूँ मैं दीवानी,
और कोई भी हसरत नहीं है

3- तेरी आवाज मुझको चौकाए,
बस उसी राह पे ये दिल जाये
मुझको अपनी भी होश रहे न,
मेरे जीवन का सार यहीं है

4- तेरे करमों पे सर को झुकाऊं,
हेत से मैं तुझे ही रिझाऊं
तेरी मेहरों को क्या मैंने करना,
तुझ बिन कोई जरूरत नहीं है

Nijanand App